भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश् वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

Press Release

आईआईटी भुवनेश्वर ने समावेशी और उद्देश्य-प्रेरित संगठनों के निर्माण पर दो दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित किया

भुवनेश्वर, 8 अगस्त 2026: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने ओडिशा सीएसआर फोरम के सहयोग से संस्थान परिसर में 7–8 अगस्त 2026 को "मानव पूंजी से सामाजिक पूंजी: समावेशी, सतत और उद्देश्य-प्रेरित संगठनों का निर्माण" विषय पर दो दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रख्यात शिक्षाविदों, उद्योग जगत के नेताओं, नीति-निर्माताओं, सीएसआर पेशेवरों और प्रबंधन विशेषज्ञों ने भाग लिया तथा भविष्य के लिए तैयार मानव पूंजी के विकास और शिक्षा जगत, उद्योग एवं समुदायों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने पर विचार-विमर्श किया।

उद्घाटन सत्र में एनएलसी इंडिया लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक डॉ. शरत कुमार आचार्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद कर्मलकर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए ओडिशा सीएसआर फोरम के संयोजक श्री बी. के. मिश्रा ने दीर्घकालिक सामाजिक प्रभाव वाले संगठनों के निर्माण के लिए शिक्षा जगत, उद्योग और नीति-निर्माताओं के बीच अधिक मजबूत सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

अपने उद्घाटन संबोधन में डॉ. आचार्य ने कहा कि कौशल विकास, मूल्य-आधारित शिक्षा और जिम्मेदार नागरिकता के माध्यम से भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का प्रभावी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वास्तविक प्रगति केवल संपदा सृजन में नहीं, बल्कि उसे सामाजिक कल्याण में परिवर्तित करने में निहित है। उन्होंने संगठनों से सीएसआर को केवल परोपकार तक सीमित रखने के बजाय सतत आजीविका और रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने का माध्यम बनाने का आह्वान किया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो. श्रीपाद कर्मलकर ने कहा कि समावेशी विकास, स्थिरता और सहयोग भविष्य के लिए तैयार संगठनों के निर्माण के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने इस संदर्भ में आईआईटी भुवनेश्वर की विभिन्न पहलों का उल्लेख किया, जिनमें सक्रिय सहयोगात्मक शिक्षण पद्धति को प्रोत्साहन, फीडबैक-आधारित प्रशासन, 100-क्यूब स्टार्टअप पहल तथा उन्नत भारत अभियान जैसे सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम शामिल हैं। उन्होंने

कहा कि इन पहलों के माध्यम से संस्थान व्यापक सामाजिक प्रभाव के लिए मानव पूंजी का विकास कर रहा है।

उद्घाटन सत्र का समापन आईआईटी भुवनेश्वर के डीन (पूर्व छात्र, कॉर्पोरेट एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध) प्रो. अनिमेष मंडल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन आईआईएम संबलपुर के प्रो. आर. के. पाढ़ी ने "भारत में मानव पूंजी का भविष्य @2047" विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया।

दो दिनों के दौरान प्रतिभागियों ने मुख्य व्याख्यानों, पूर्ण सत्रों, पैनल चर्चाओं और संवादात्मक कार्यशालाओं में भाग लिया। इनमें भारत में मानव पूंजी का भविष्य @2047, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कार्य का भविष्य, कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र, परिवर्तनकारी नेतृत्व, विविधता, समानता एवं समावेशन (DEI), ESG, कर्मचारी कल्याण, औद्योगिक संबंध, एकीकृत CSR-HR-IR कार्य-ढाँचे तथा उद्योग-शिक्षा जगत-समुदाय साझेदारी मॉडल जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। चर्चाओं में समावेशी, लचीले और सामाजिक रूप से उत्तरदायी संगठनों के निर्माण के लिए शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग और सरकार के बीच अधिक मजबूत सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम का समापन समापन सत्र, प्रमाण-पत्र वितरण और प्रतिभागियों द्वारा विचार-विमर्श को सार्थक कार्यों में परिवर्तित कर सतत संगठनों तथा समावेशी समाज के निर्माण के प्रति नए संकल्प के साथ हुआ। जिंदल स्टील लिमिटेड के अध्यक्ष श्री प्रशांत होता ने समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया।